पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

देहदान करना देशभक्ति का काम है - राज्यपाल

राज्यपाल ने देहदान करने की वसीयत बतायी

लखनऊः 09 नवम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज जनपद सीतापुर में महर्षि दधिचि की तपोस्थली मिश्रिख में दधिचि देहदान समिति के तत्वाधान में आयोजित ''स्वस्थ सबल भारत'' गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि महर्षि दधिचि ने अपने कृत्य से बताया कि देहदान कितना महत्वपूर्ण है। जनपद सीतापुर में महर्षि दधिचि की तपोस्थली के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन के लिए मिश्रिख का विकास किया जाय। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से देहदान की परम्परा यहां से शुरू हो रही है यह प्रशंसा की बात है। विज्ञान के उपयोग के लिए देहदान करना देशभक्ति का काम है क्योंकि मृत्यु के उपरान्त मनुष्य के अंग दूसरों को जीवनदान दे सकते है। राज्यपाल ने कहा कि बीस साल पहले जब उन्हें कैंसर हुआ था तभी उन्होंने देहदान करने की वसीयत की थी।

श्री नाईक ने कहा कि पहले लोग रक्तदान हेतु हिचकते थे परन्तु अब काफी लोग स्वेच्छा से रक्तदान कर रहे हैं। इसी प्रकार देहदान के लिए भी लोग आगे आये। उन्होंने इस अवसर पर राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की एक कविता की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए कहा कि मनुष्य वही है जो मनुष्य के लिए जिये और मरे। राज्यपाल ने महर्षि दधिचि मंदिर एवं कुण्ड पर पूजा अर्चना के अवसर पर कुण्ड की सफाई व्यवस्था की मांग के बाबत कहा कि वे इस संबंध में प्रदेश सरकार से भी बात करेंगे। उन्होंने बताया कि सांसद निधि की शुरूआत रूपये एक करोड़ से उनके प्रयासों द्वारा की गयी थी जो अब बढ़कर रूपये पांच करोड़ हो गयी है। उन्होंने उपस्थित सांसदों से अनुरोध किया कि कुण्ड के विकास के लिए वे अपनी सांसद निधि से कुछ न कुछ अवश्य दें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सर्वाधिक आबादी वाला प्रदेश है इसके विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा।

मिश्रिख, सीतापुर की सांसद श्रीमती अंजुबाला ने कहा कि मिश्रिख पर्यटक स्थल बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि वे सांसद निधि से सहयोग करेंगी। सांसद सीतापुर श्री राजेश वर्मा ने कहा कि देहदान से दूसरे का जीवन सुखमय हो सकता है। उन्होंने कहा कि स्वेच्छा से देहदान करके योगदान करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर दधिचि देहदान समिति के अध्यक्ष श्री आलोक कुमार व महंत देवदत्त गिरी ने भी अपने विचार रखे।

दर्शन यात्रा